Petroleum

खनिज तेल अथवा पेट्रोलियम आधुनिक अर्थव्यवस्था मे ऊर्जा का महत्वपूर्ण साधन है। आधुनिक युग मे लगभग सभी छोटी बड़ी मशीने तेल से चलती है। इसका उपयोग बसो, ट्रैक्टरो, ट्रको, रेलो, स्कूटरो, हवाई जहाजो आदि मे भी किया जाता है। खनिज तेल केवल शक्ति का ही साधन नही है वरन् अनेक प्रकार के रसायन बनाने का भी माध्यम है। पेट्रोल से अनेक प्रकार के घोल बनते है- जो फर्श पर पॉलिश तथा वस्त्र साफ करने के उपयोग मे आते है।

आज पेट्रोलियम से अनेक रसायनिक एवं औद्योगिक वस्तुएँ बनाई जाने लगी है, जैसे → पेट्रोरसायन उर्वरक, मिश्रित रबर, कृत्रिम रेशे, प्लास्टिक व शोधन पदार्थ आदि।

भारत मे पेट्रोलियम के भण्डार

असम त्रिपुरा, मणिपुर, पश्चिम बंगाल, राजस्थान कैम्बे और कच्छ की खाड़ी, तमिलनाडु, उडीसा एवं केरल के पूर्व और पश्चिम के तटवर्ती क्षेत्रो मे पाए जाते है। बॉम्बे हाई मे भी पेट्रोलियम के पर्याप्त भण्डार उपलब्ध है।

भारत मे तेल की खोज का कार्य सन् 1866 मे ही शुरू हो गया था और सन् 1867 मे असोम के 'मारघेरिटा' नामक स्थान पर तेल का उत्खनन कार्य किया गया था।

तत्पश्चात वर्ष 1889-90 मे असम के ही 'बोरफील' नामक स्थान पर तेल की प्राप्ति

हुई थी।
डिगबोई क्षेत्र की स्थापना बोरमीत के कारण ही हुई। इस क्षेत्र मे तेल उत्खनन का कार्य सर्वप्रथम सन 1899 मे 'असम ऑयल कम्पनी' द्वारा किया गया। सन 1915 मे बर्मा ऑयल कम्पनी ने 'बदरपुर' नामक स्थान पर तेल उत्खनन का कार्य प्रारम्भ किया। सन 1921 मे 'असम ऑयल कम्पनी' और बर्मा ऑइल कम्पनी ने तेल के उत्खनन मे संयुक्त रूप से कार्य कर अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की किन्तु तेल की खोज का काम नियोजन व समन्वित ढंग से 14 अगस्त, 1956 को 'तेल व प्राकृतिक गैस आयोग' की स्थापना के बाद शुरू हुआ।
14 अक्टूबर, 1959 को 'ऑइल इण्डिया लिमिटेड' की स्थापना की गई। इस संस्था मे भी तेल उत्खनन के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। इन दोनो संस्थाओ के सहयोग से देश मे अब तक तेल के लगभग ढाई हजार कुओ का उत्खनन कार्य किया जा चुका है। आधे कुओ मे तेल व गैस के भण्डारो की उपलब्धि हुई है।
भारत मे खनिज तेल का उत्पादन
गत वर्षों मे भारत मे पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादो की स्थिति इस प्रकार रही है।

कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस का उत्पादन

वर्ष	कच्चे तेल का एमएमटी	कच्चे तेल के उत्पादन मे वृद्धि	प्राकृतिक गैस उत्पादन बीसीएम प्रतिशत मे	प्राकृतिक गैस उत्पादन मे वृद्धि प्रतिशत मे
2009-10	33.690	0.54	47.496	44.61
2010-11	37.684	11.85	52.219	9.94
2011-12	38.098	1.08	47.559	-8.92
2012-13	37.862	-0.60	40.679	-14.47
2013-14	37.788	-0.19	35.407	-12.96
2014-15	38.769	2.58	36.620	3.43
2015-16	29.172	-0.88	25.332	-5.12
अप्रैल-दिसम्बर				

भारत के सभी तेलशोधक कारखाने सार्वजनिक क्षेत्र मे स्थित है। यह कारखाने मुम्बई, ट्राम्बे, डिगबोई, गुवाहाटी, बरौनी, विशाखापट्टनम, हल्दिया, कोचीन, मद्रास, कोरली, बोगाई गाँव, कावेरी और मथुरा मे स्थित है।

जामनगर मे रिलायन्स पेट्रोलियम व असोम के नुमालीगढ़ मे नई शोधनशालाएँ स्थापित की गयी है।

उड़ीसा के पारादीप मे और पंजाब के भटिण्डा मे शोधनशालाएँ स्थापित करने की अनुमति दी गयी है।

वर्ष 2013-14 मे भारत को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए 189.24 मिलियन टन कच्चे

Scanned with CamScanner

तेल का आयात करना पड़ा। इस प्रकार देश देश को विदेशी मुद्रा का एक बहुत बड़ा भाग प्रतिवर्ष तेल के आयात पर व्यय कर देना पड़ता है। तेल उत्खनन और शोधन कार्य की दिशा में भारत सरकार द्वारा यद्यपि बहुत अधिक प्रयास किए जा रहे हैं।

तेल की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनने में भारत को अभी बहुत लम्बी अवधि लगेगी, तेल आयात पर व्यय की जाने वाली राशि की मात्रा में अभी और अधिक वृद्धि होते रहने की प्रबल सम्भावना है।

Scanned with CamScanner